

इन्होंने अपने उत्तर में हिन्दी में 'पालामऊ' लिखा है। यह आश्चर्य की बात है कि सरकार को जानकारी ही नहीं है कि देश में कौन-कौन से जिले हैं और कहाँ-कहाँ हैं ?

**अध्यक्ष महोदय :** आप एक बोलेंद्री क्लास ही लगा दीजिए।

**श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव :** यह हम नहीं कर सकते हैं, वही कर सकते हैं और उनको करना भी चाहिए।  
(व्यवधान)

दूसरी बात, अध्यक्ष जी, मैं पूछना चाहता हूँ कि बिहार, जो कि एक बदकिस्मत सूबा है क्योंकि वहाँ कोयले की बहुतायत है लेकिन बिजली की कमी है, वहाँ जो 104 मिलियन टंस आपको कोयला मिला है, जिसको आपने मोइस्चर वाला कहा है, क्या आप इसको सुखा करके इसको बिजली के उत्पादन के काम में लायेंगे ? क्या ऐसा किया जा सकता है ?

**THE MINISTER OF ENERGY (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURY) :** There must be infrastructural facilities for exploiting the coal. Now in his particular case there are no infrastructural facilities. If we have had to have all the infrastructural facilities ourselves, it costs a lot of money.

The only thing we can think of is power stations. Also, we have thought of Kahalgaon and after Kahalgaon, Tendughat and all that. You are fully aware of the financial constraints and all at a time cannot be thought of. We will certainly bear this in mind.

**श्री शिव कुमार सिंह ठाकुर** अध्यक्ष महोदय, पिछले वर्ष श्रीमती इंदिरा गांधी की अध्यक्षता में विभिन्न राज्यों के इलेक्ट्रिसिटी मिनिस्टर्स की मीटिंग हुई थी।

जिसमें यह तय किया गया था कि माँग से 10 प्रतिशत अधिक बिजली का उत्पादन किया जाए। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि 104 मिलियन टन जो कोयला मिला है इससे कितनी मात्रा में बिजली उत्पादित की जा सकती है ?

**SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURI :** I have already replied to that.

**श्री रामगोपाल रेड्डी :** अध्यक्ष महोदय, मुझे कोई प्रश्न नहीं करना है। मुझे तो सिर्फ इतना बचना है कि बिहार के लोग बहुत खुश किस्मत हैं जहाँ इतना कोयला निकल रहा है।

### Kisan Rally

+

\*498. **SHRI RAM VILAS PASWAN :**  
**SHRI RAJESH KUMAR SINGH :**

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether T.V. sets were set up in Delhi to televise the Kisan Rally on 16th February, 1981 ;

(b) if so, number of T.V. sets set-up;

(c) whether it is also a fact that the Kisan Rally was telecast abroad through the satellite ; and

(d) if so, the reasons thereof ?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI KUMUDBEN M. JOSHI) :** (a) No T.V. sets were installed by Government at the venue of the Kisan Rally.

(b) Does not arise.

(c) and (d). Doordarshan did not provide any coverage abroad for the Kisan Rally through the satellite. However, it provided transmission facilities on payment basis to the International T.V. news agency 'Visnews' on the latter's request for a ten minute feed to Eurovision, one of their clients.

**श्री रामबिलास पासवान :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न था कि क्या 16 फरवरी, 1981 को किसान रैली को दूरदर्शन पर दिखाने के लिए टेलीविजन सैट्स लगाये गये थे। अगर लगाए गए थे तो जवाब आना चाहिए था कि "हां"। तब आगे प्रश्न मैं करता।

**अध्यक्ष महोदय :** ये सरकार की बात कर रहे हैं।

**श्री राम बिलास पासवान :** मेरा प्रश्न सरकार के बारे में नहीं है। मेरा प्रश्न है कि 16 फरवरी, 1981 को किसान रैली को दूरदर्शन पर दिखाने के लिए टेलीविजन सैट्स लगाए गए थे या नहीं? सरकार पहले इसका जवाब दे।

**सूत्रा और प्रसारण मंत्री (श्री बसंत साठे) :** जब किसान रैली के लिए सरकार द्वारा कोई टेलीविजन सैट्स नहीं लगाए गए थे तो जवाब भी "नहीं" में ही देंगे, "हां" कैसे कहेंगे।

**श्री राम बिलास पासवान :** अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय ने कहा है कि नहीं लगाए गए थे, जवाब में कहा गया है— No T.V. sets installed by Government. इसका मतलब यह है कि लगाए ही नहीं गए थे।

**श्री बसंत साठे :** बाई दी गवर्नमेंट, फार दी गवर्नमेंट और आफ दी गवर्नमेंट, ये तीनों चीजें वहां नहीं थीं, इसलिए जवाब यही दिया गया है। किसके द्वारा लगाए गए थे, यदि इसकी जानकारी आप चाहते हैं तो मैं दे सकता हूँ।

**श्री राम बिलास पासवान :** मंत्री महोदय के अनुसार सरकार के द्वारा वहां पर टी० वी० सैट्स नहीं लगाए गए थे। मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि वे टी० वी० सैट्स किसके द्वारा लगाए गए थे, उस पर कितना खर्च हुआ, क्या आपकी कोई सौदेबाजी थी, यदि नहीं तो जिसने इंतजाम करवाया था वह पार्टी कितना पेमेंट करने जा रही है?

**श्री बसंत साठे :** अध्यक्ष जी, किसान रैली को कवर करने के लिए, जिन्होंने रैली का आयोजन किया था, उन्होंने एक टेलीविजन कम्पनी, जिसका नाम "वैस्टन इलेक्ट्रॉनिक्स" है, से सम्बन्ध स्थापित करके क्लोज सर्किट टेलीविजन सैट्स लगवाए थे। जिन्होंने रैली आयोजित की थी, उनका और वैस्टन इलेक्ट्रॉनिक्स का आपस में क्या समझौता हुआ था, यह हमें मालूम नहीं है। वहां टेलीविजन वैस्टन इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पनी ने लगाए थे।

**श्री राम बिलास पासवान :** मैं ने पूछा था कि कितना खर्च हुआ, कौन देगा? हिसाब इनके पास नहीं है और न इन को कोई जानकारी है।

**प्रश्न के उत्तर में दूसरे इन्होंने यह कहा है :** Provided transmission facilities on payment basis to the International T.V. news agency "Visnews" on the latter's request for a 10 minute feed to Eurovision, one of their clients.

इनके दूरदर्शन का विसन्यूज के साथ क्या अरेंजमेंट है? क्या जो अरेंजमेंट है वह टैम्पोरेरी है या परमानेंट है और क्या उसी अरेंजमेंट के तहत यह सारी घपलेबाजी हुई है?

श्री बसंत साठे : घपलेबाजी तो प्रश्नकर्ता के दिमाग में है। विसन्यूज या ऐसी दूसरी टेलीविजन की जो कम्पनियां है कोई भी सटलाइट की मार्फत जो फिल्म होती है वह बता सकती है और बताती है पोस्ट्स एंड टेलीग्राफज डिपार्टमेंट की मार्फत और जो अरेंजमेंट है उसको वे युटिलाइज करती हैं और उस से वे यह टैलीकास्ट करती हैं जिसे ओवरसीज कम्युनिकेशन सर्विस कहते हैं। वह पी० एंड टी० की मार्फत होता है। हमारे से जो वे उपयोग करना चाहती हैं टेलीसिने सिस्टम का टेलीकास्ट करने के लिए तो हमारा रेट है लैस दैन वन आवर का 1500 डालर जो हम उन से चार्ज करते हैं। विसन्यूज का हेडक्वार्टर लंदन में है और उनकी ब्रांच यहां भी है। उन्होंने परदेश में कवर करने के लिए जो फिल्म बनाई उसका हमें पेमेंट दिया हमारे रेट के मुताबिक और उसके मुताबिक उन्होंने टैलीकास्ट किया।

श्री राजेश कुमार सिंह : आप ने पेमेंट की बात कह दी है। फ्री प्रैस जर्नल का मैं रेफेंस दे रहा हूँ जिस में यह छपा था : International radio and TV news agencies which are generally uncharitable in Indian coverage, even headlined the news in their broad-castes. किसान रैली के सम्बन्ध में यू०एस०एस०आर०, पाकिस्तान, वायस आफ अमरीका, बी० बी० सी० इन सब ने हैडलाइंस में न्यूज बहुत लम्बे समय तक दी। चालीसवें अमरीकी राष्ट्रपति का टेलीविजन पर जो समारोह था उसको कवर किया था और आप ने उस का पैसा भी लिया था क्या इन इंटरनेशनल एजेंसीज को आप की सरकार के द्वारा जो न्यूज वहां रिले हुई या दूरदर्शन पर जो कार्यक्रम दिखाया गया उसमें आप का कोई सहयोग था, क्या आप ने उसका कोई पेमेंट दिया था किसी रेसीप्रोकल-बेसिस पर दूरदर्शन की फिल्म या न्यूज प्रेजि ?

टेलीविजन सैट जो यहां बैस्टन इलक्ट्रो-निक्स ने लगाए क्या आपके विभाग का उस-के ऊपर कोई सुपरविजन था ?

श्री बसंत साठे : जहां तक यहां दूरदर्शन पर दिखाए जाने का सवाल है वह दूर दर्शन ने खुद किया था और विसन्यूज से उस का कोई ताल्लुक नहीं था। विसन्यूज ने जैसे . . .

श्री राजेश कुमार सिंह : इन देशों में न्यूज दूरदर्शन पर बहुत लम्बे अर्से तक जो वहां दिखाई गई उसके लिए सरकारी खजाने से पैसा दिया गया ?

श्री बसंत साठे : परदेश में जो बताया गया उससे हमारा कोई सम्बन्ध नहीं था, दूरदर्शन का कोई सम्बन्ध नहीं था। अभी मैंने कहा कि विसन्यूज ने जो कवरेज किया उसका हमने चार्ज किया और जिस बेसिस पर किया वह मैंने बता दिया है। उन्होंने हमें पेमेंट दिया। हमारा पेमेंट देने का कोई सवाल नहीं है। किसी को कोई पेमेंट दूरदर्शन ने नहीं दिया। यहां दूरदर्शन पर जो बताया गया या दिखाया गया उसको हमने कवर किया था। मैं यह भी बता दूँ कि इस तरह का कवरेज इसके पहले भी 1978 में जो किसान रैली हुई थी, उसका भी कवरेज दूरदर्शन पर हुआ था।

श्री रामाधर शारदा : फिर परसो होने जा रही है रैली उसका भी होना चाहिये।

श्री बसंत साठे : वह न्यूजवर्दी होगी तो होगा।

श्री एम० रामगोपाल रेड्डी : स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान का किसान जो नेशन का ग्रीस प्रोडक्ट है उसका 45 परसेंट हिस्सा देता है, वह किसान जब दिल्ली में आये और 50 लाख की तादाद में आये तो अर्पोर्जेशन का इस तरह से कहना ठीक नहीं है। जब माननीय चरण सिंह से किसान

रैली बुलायी थी तो उस वक्त हमारी प्राइम मिनिस्टर, श्रीमती इंदिरा गांधी ने श्री भीष्म नारायण सिंह की मार्फत उनको फूल भेजा था और हमें खुशी हुई थी कि वह किसानों की इज्जत कर रही हैं। फिर मैं पूछना चाहता हूँ कि दोनों पार्टियों में अब इतना अन्तर क्यों है, कैसे है ? इस को निकालने के लिये मंत्री जी क्या कर रहे हैं ?

**श्री वसंत साठे :** अध्यक्ष जी, जहाँ तक हमारा सवाल है कोई अन्तर नहीं है। और किसी में अन्तर हो तो वह दूर कर लें।

**SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU:** May I know why the Government failed to set up T.V. to help the kisans who came to Delhi to see and hear the speech of the Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi? Was it not necessary to give the utmost importance to the Kisan Rally as it was the biggest ever held so far?

**SHRI VASANT SATHE :** I agree that it was a very important Rally and, therefore, we covered it fully. It was one of the biggest rallies, in the world, of the kisans. As far as the Doordarshan making any arrangement there is concerned, that question did not arise because the rally organizers had already made their arrangement with the Weston Electronics.

#### **Conference of power Ministers of Southern Region at Hyderabad**

\*499. **SHRI M. V. CHANDRA-SHEKHARA MURTHY:**

**SHRI B. V. DESAI :**

Will the Minister of ENERGY be pleased to state :

(a) whether on 10th February, 1981, the Union Minister had called the Conference of Southern Region Power Ministers at Hyderabad ;

(b) if so, whether the Union Minister had called for uniform

power policy and uniform pattern of pay scales and service conditions for the power persons throughout the country ; and

(c) what steps have been taken to implement the decisions arrived at ?

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN) :**

(a) to (c). A Conference of Power Ministers of Southern States was held at Hyderabad on 10th February, 1981.

In the above Conference, the following subjects were mainly discussed :—

1. Power Supply position in each State and the Region and steps for maximisation of generation.
2. Progress in the commissioning of on-going projects in the Region.
3. Power Cuts and efforts taken to minimise their impact.
4. Rural Electrification.

The Union Energy Minister has been maintaining that there should be uniformity in pay-scales and service conditions of the Engineers and technicians of the State Electricity Boards, in the same manner in which there is uniformity of pay-scales for established service officers. The State Governments/States Electricity Boards are fully competent to bring uniformity in pay-scales and service conditions of the Engineers and Technicians of the State Electricity Boards but receive guidance from Central Government as and when necessary.

**SHRI M. V. CHANDRA-SHEKHARA MURTHY :** Mr. Speaker, Sir, our power plants are generating not more than 50 per cent of the estimated generation. But we are also losing 20 per cent of the